International Correspondence Institute
Post Box No. 303 Lucknow-226 001

छात्र रिपोर्ट—पृष्ठ 1

कृपया नीचे मोटे अक्षरों में भरिये।

आपका नाम .....

आई॰ सी॰ आई॰ रोल नं॰ .....

आपका पता .....

.....

पिन कोड़ ..... राज्य .....

आयु .....लिंग .....धर्म .....

व्यवसाय .....तिथि .....

आपका नया जीवन

पाठ-1-5

सही या गलत

निम्नलिखित सूचियां या तो सही या गलत हैं।
ठीक उत्तर के सामने (√) का चिन्ह लगाइये।

1. नये जन्मे हुए मसीही को अपने नये स्वभाव को विस्तृत करने के लिए कुछ नहीं करना है।
   ... अ) सही ...ब) गलत
2. मसीही परीक्षाओं से मुक्त हैं।
   ... अ) सही ... ब) गलत

3. परमेश्वर के पुत्र के द्वारा हम अनन्त जीवन पाते हैं।
... अ) सही ... ब) गलत

4. यदि हम अपने हृदयों को पवित्र रखने की आशा करते हैं तो हमें अवश्य ही अपने विचार जीवन की रखवाली करनी होगी।
... अ) सही ... ब) गलत

5. जब आप मसीही बन जाते हैं तो आप की दिलचस्पियाँ बदल जाती हैं।
... अ) सही ... ब) गलत

6. कोई फर्क नहीं हम किस प्रकार का भी साहित्य क्यों न पढ़ें क्योंकि यीशु का लहु हमें सब पापों से शुद्ध करता है।
... अ) सही ... ब) गलत

7. परमेश्वर हम सबको पास्तर, प्रचारक या मिशनरी होने के लिए बुलाता है।
... अ) सही ... ब) गलत

बहुसंख्यक चुनाव

नीचे की अंकित पंक्तियों में से एक उत्तर ठीक है।
ठीक उत्तर पर (√) का चिन्ह लगाइये।

8. जब आप मसीह को अपना उद्धारकर्त्ता करके स्वीकार करते हैं तो आप बन जाते हैं।
... अ) परमेश्वर की सन्तान
... ब) अच्छा व्यक्ति ... स) सिद्ध मसीही

9. आप मसीह में अपने नए जीवन में पाते हैं।
... अ) जीने के लिए एक नया उद्देश्य
... ब) बीमारी से मुक्ति
... स) पदार्थीय धनाढ्य

10. हमें दूसरे विश्वासियों के यहां उनके लिए चिन्ता करके जाना चाहिए क्योंकि वे

... अ) पहले ही सिद्ध हैं

... ब) हमसे अधिक होशियार हैं।

... स) हमारे साथ प्रार्थना कर सकते हैं और हमारी सहायता कर सकते हैं।

11. यदि हम दूसरों को क्षमा दान कर देने से इन्कार करते हैं

... अ) कुछ भी हो परमेश्वर हमें क्षमा करेगा।

... ब) परमेश्वर हमारी त्रुटियों को क्षमा न करेगा।

... स) दूसरे हमें क्षमा न करेंगे।

12. यूहन्ना 10:28 हमें सिखलाता है कि हमें

... अ) बच जाने के लिए अवश्य है कि एक अच्छा जीवन बिताए।

... ब) परमेश्वर को कभी भी असफल नहीं बना सकते।

... स) मसीह की देखभाल में सुरक्षित हैं।

13. पुराना नियम लिखा गया था।

... अ) मसीह के जन्म के पश्चात्

... ब) मसीह के पृथ्वी पर के जीवन के समय।

... स) मसीह के जन्म के पूर्व।

14. हम आत्मिक शक्ति को प्राप्त करने की आशा रख सकते हैं यदि हम

... अ) भरपूर शारीरिक आराम और व्यायाम करें।

... ब) अक्सर परमेश्र की बाट जोहें।

... स) निरन्तर परमेश्वर के लिए काम करें।

15. तीन साधन जिनके द्वारा हम परमेश्वर की आवाज को सुनने की आशा रख सकते हैं।
... अ) जन्मपत्री, अन्य लोग और प्रार्थना।
... ब) मनन, भविष्य बतलाने वाले और पत्रिकाएं।
... स) प्रार्थना, बाइबल और अन्य मसीही।

16. सन्डे स्कूल की कक्षा को सिखाना गिना जाएगा।
... अ) आध्यात्मिक रूप से व्यस्त रहना।
... ब) अपने आत्मा को खाना खिलाना।
... स) अपने जीवन को साफ रखना।

17. एक मसीही के लिए प्रार्थना करना महत्वपूर्ण है।
... अ) केवल चर्च (मंडली में)
... ब) केवल सुबह।
... स) दिन में कई बार।

18. यीशु ने कहा यदि हम उसे लोगों के बीच में अंगीकार करेंगे, तो वह करेगा।
... अ) अच्छी सेहत से आशीषित करेगा।
... ब) परमेश्वर के सन्मुख वैसा ही हमारे लिए करेगा।
... स) उन सबको जिन्हें हमने साक्षी दी है बचाएगा।

19. यहि एक मसीही अपना दशवांश देता है तो, परमेश्वर
... अ) उसे आशीष देगा और सफलता प्रदान करेगा।
... ब) इस बात पर ध्यान नहीं देगा क्योंकि उसको हमारे धन की आवश्यकता नहीं है।
... स) इस बात पर ध्यान तो देगा परन्तु हमें आशीष नहीं देगा क्योंकि हम उसके पहले से ही कर्जदार जो हैं।

भाग-2

पाठ 6-10

सही या गलत

निम्नलिखित सूचियां या तो सही हैं या गलत हैं। ठीक उ र के सामने (√) का चिन्ह लगाइये।

1. यीशु के आ जाने के पश्चात् मूसा की व्यवस्था का कोई अर्थ नहीं रह गया था।
   ... अ) सही ... ब) गलत
2. यीशु ने सिखलाया कि जब हम कोई अच्छा कार्य करते हैं तो यह सबको बतलाना चाहिए।
   ... अ) सही ... ब) गलत
3. ऐसा सम्भव है कि आश्चर्यकर्म किए जाएं और तो भी स्वर्ग में प्रवेश न किया जाए।
   ... अ) सही ... ब) गलत
4. जब कोई मसीही बन जाता है तो उसका पुराना स्वभाव फिर उसके जीवन में बाधा नहीं डालता।
   ... अ) सही ... ब) गलत
5. एक मसीही को यहां तक कि अपने घर में भी अपने अच्छे गुणों का प्रयोग करना चाहिए।
   ... अ) सही ... ब) गलत
6. परमेश्वर विवाह से बाहर विवाहित सम्बन्धों को मना करता है।
   ... अ) सही ... ब) गलत
7. मसीही लोग इतवार को इसलिए उपासना करते हैं क्योंकि उसी दिन यीशु मुर्दों में से जीवित हो गया।
   ... अ) सही ... ब) गलत

बहुसंख्यक चुनाव

प्रत्येक प्रश्न में से केवल एक ठीक उत्तर है।
ठीक उत्तर पर (√) का चिन्ह लगाइये।

8. जब हम परमेश्वर के नियमों का पालन करने से इन्कार कर देते हैं, तो वह
   ...अ) बाहर निकाल देता है।
   ...ब) हमारी जानकारी करता है।
   ...स) सम्भवतः हमें दण्ड दे।

9. मसीही अपने जीवन के लिए नियमों को पाता है।
   ...अ) केवल नया-नियम में।
   ... ब) केवल पुराना-नियम में।
   ... स) पूरी बाइबल में।

10. मत्ती 5:11, 12, में यीशु ने सिखलाया की हमें स्वर्ग में एक बहुत बड़ा प्रतिफल मिलेगा यदि हम
    ... अ) मसीही होने के नाते सताए जाते हैं।
    ... ब) कभी भी क्रोधित नहीं होते।
    ... स) दस आज्ञाओं का पालन करते हैं।

11. जब हम उपवास रखें
    ... अ) हमारे सभी मित्रों को पता लगना चाहिए।
    ... ब) केवल कलीसिया को पता लगना चाहिए।
    ... स) केवल हमारे स्वर्गीय पिता को पता होने की आवश्यकता है।

12. हम एक झूठे नबी को पहचान सकते हैं उसके द्वारा
    ... अ) कामों से
    ... ब) कपड़ों से
    ... स) देखने से।

13. यीशु ने प्रतिज्ञा की कि वे लोग जो परमेश्वर के राज्य की चिन्ता में हैं वे
... अ) इस जीवन में निराश्रय रहेंगे।
... ब) बहुत अधिक मात्रा में पदार्थीय वस्तुओं को प्राप्त करेंगे।
... स) उनकी आवश्यकताएं पूरी होंगी।

14. यीशु ने सिखलाया कि जब हम दूसरों का न्याय करते हैं तो
... अ) हमारा भी उसी मापदण्ड के द्वारा न्याय होगा।
... ब) तो दूसरों के बढ़ने में सहायता करतें हैं।
... स) जो कुछ हमे करना चाहिए ऐसा बेहतर रीति से करने के लिए सीखते हैं।

15. वह चट्टान जिस पर बुद्धिमान ने अपना घर बनाया वह है।
... अ) उदारता। ... ब) अच्छे काम
... स) आज्ञा पालन

16. मसीही के जीवन में पवित्र आत्मा के द्वारा फल पैदा किया गया वह है।
... अ) लालच, अनैतिकता, स्वंयत्व।
... ब) आनन्द, शान्ति और नम्रता।
... स) आश्चर्यकर्म, भाषाएं और चंगाई।

17. जिस ढंग से एक मसीही बात करता है।
... अ) उसकी साक्षी पर एक बहुत बड़ा प्रभाव है।
... ब) उसकी साक्षी के साथ उसका कुछ भी सम्बन्ध नहीं है।

18. इफिसियों 6:4 सिखलाता है कि माता-पिता को चाहिए
... अ) अगुवाई का काम कलीसिया पर छोड़ दें।
... ब) अगुवाई का काम स्कूलों पर छोड़ दें।
... स) मसीहियत ही में अगुवाई प्रदान करें।

19. हमें भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि

... अ) परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है कि वह हमें कभी न छोड़ेगा।

... ब) कुछ भी डरने की बात नहीं है।

... स) हम किसी भी बात का सामना करने में शक्तिशाली है।

यदि आपने यीशु को उद्धारकर्ता करके ग्रहण (स्वीकार) किया है तो कृपया संक्षेप में बताइये।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

इन्टरनेशनल कॉरेस्पोन्डेन्स इन्स्टीट्यूट

पोस्ट बोक्स नं० 303

लखनऊ-226 001

क्या आप चाहेंगे....

- जीवन का वास्तविक आनन्द उठाना?
- परमेश्वर को आपके साथ बातें करते?
- अपनी समस्याओं का उत्तर पाना?

यदि ऐसा है तो **आपका नया जीवन** विशेषकर आप ही के लिये लिखा गया था। जैसे आप इनके सहायतार्थ सुझावों को अपने व्यक्तिगत अनुभव में लाते हैं तो आप अन्य देशों में हजारों विद्यार्थियों की तरह जीवन का इसकी भरपूरी और गहराई से आनन्द उठावेंगे।

इसकी रुचिकर स्वयं शिक्षण-विधि आप के अध्ययन को सरल बना देती है। आप केवल निर्देशन का पालन करें एवं आगे बड़ते हुए अपने को जाँचें।

इन्टरनेशनल कारिसपॉन्डेन्स इन्स्टीट्यूट
पोस्ट बाक्स नं० 303
लखनऊ-226001